SECOND SEMESTER EXAMINATION 2024-25 (English Medium)

Class - IX

Time : 3 hrs.

HINDI

M.M.-80

नोट– सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड– (अ)

1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त प्रस्ताव लिखिए– (15)

1) आपने अपने जीवन में क्या सोच रखा है? आप क्या बनना चाहोगे? अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए आप कौन से प्रयास करेंगे?

2) संस्कृति का अर्थ स्पष्ट करते हुए, भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए?

3) 'प्रकृति का संदेश' शीर्षक से एक प्रस्ताव लिखिए तथा बताइए कि मनुष्य को प्रकृति से क्या शिक्षाएँ ग्रहण करनी चाहिए।

4) 'सत्य की कभी हार नहीं होती' इस कथन पर आधारित कोई कहानी लिखिए।

5) नीचे दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखकर, चित्र को आधार बनाकर उसका वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए।

2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। (7)

1) अपने विद्यालय की प्रधानाचार्या को पत्र लिखकर उनसे छात्रवृत्ति की प्रार्थना कीजिए और पत्र में यह भी स्पष्ट कीजिए कि आपको छात्रवृत्ति की आवश्यकता क्यों है।

(P.T.O.)

Downloaded From www.icseboard.org

अथवा

2) आप अपने मित्र की बहन के विवाह में सम्मिलित न हो सके, अतः पत्र लिखकर कारण सहित पूर्ण विवरण देकर मित्र से क्षमा याचना कीजिए।

3. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (10)

काशी नरेश ने कोसल पर आक्रमण कर दिया था। कोसल के राजा की चारों और फैली कीर्ति उन्हें असहय हो गई थी। युद्ध में उनकी विजय हुई। पराजित नरेश वन में भाग गये थे, किन्तु प्रजा उनके वियोग में व्याकुल थी और विजयी को अपना सहयोग नहीं दे रही थी। विजय के गर्व से मत्त काशीनरेश प्रजा के असहयोग से क्रुद्ध हुए। शत्रु को समाप्त करवाने के लिए उन्होंने एक घोषणा करवा दी "जो कोसल राज को द्रू¡ढ कर लाएगा, उसे सौ स्वर्ण मुद्राए¡ पुरस्कार में मिलेगी।"इस घोषणा को कोई प्रभाव नहीं पड़ा, क्योंकि धन के लोभ में कोई भी अपने धार्मिक राजा को शत्रु के हाथ में नहीं देना चाहता था।

कोसलराज अब वन–वन भटकने लगे। उनकी जटाएँ बढ़ गई। शरीर कमजोर हो गया। वे एक वनवासी के समान दिखने लगे। एक दिन उन्हें देखकर एक पथिक ने पूछा– "यह वन कितना बड़ा है? वन से निकलने व कोसल पहु¡चने का मार्ग कौन सा है? नरेश चौंके! उन्होंने पूछा– "आप कोसलपुर जा रहे हैं? "पथिक ने कहा–" विपत्ति में पड़ा व्यापारी हू¡ माल से लदी नौका नदी में डूब चुकी है। अतः द्वार–द्वार कहाँ भिक्षा माँगता डोलूँ। सुना है कि कोसलपुर के राजा बहुत उदार है अतः उनके पास जा रहा हूँ।"

"तुम दूर से आए हो, वन का मार्ग बीहड़ है चलो तुम्हें वहाँ तक पहुँचा आऊँ" कुछ देर सोचकर राजा ने पथिक से कहा –

पथिक के साथ वे काशीनरेश की सभा को आए, अब उस जटाधारी को कोई पहचानता न था। काशीनरेश ने पूछा – आप दोंनो कैसे पधारे? तब वनवासी के समान दिखने वाले उस व्यक्ति ने कहा "मैं कोसल का राजा हूँ मुझे पकड़ने के लिए तुमने पुरस्कार घोषित किया है। अब पुरस्कार की वो सौ स्वर्ण मुद्राएँ इस पथिक को दे दो"। सभा में सन्नाटा छा गया, सब बातें सुनकर काशी नरेश अपने सिंहासन से उठे और बोले, महाराज ! आप जैसे धर्मात्मा, परोपकारनिष्ठ को पराजय करने की अपेक्षा उसका चरणाश्रित होने का गौरव कहीं अधिक है। यह सिंहासन अब आपका है। मुझे अपना अनुचर स्वीकार करने की कृपा कीजिए। व्यापारी को मु¡हमांगा धन प्राप्त हुआ। कोसल व काशी उस दिन से मित्र राज्य बन गए। मानव जीवन की सार्थकता परहित के लिए बलिदान करने की भावना में निहित है। मनुष्य के चरित्र की परीक्षा उसके परोपकारी कामों के आधार पर होती है, न कि व्यक्तिगत वैभव

Downloaded From www.cseeboard.org

अर्जन पर। जो मनुष्य दूसरों के दुःख दूर करने में जितना प्रयत्नशील होता है, वह उतना ही सभ्य, सुसंस्कृत एवं उच्च विचारों वाला माना जाता है क्योंकि परोपकार का विशद भाव ही मानव की अंतरात्मा की महानता की कसौटी है।

1) कोसल पर आक्रमण किसने और क्यों किया था?

2) काशीनरेश ने क्या घोषणा करवाई और क्यों?

3) पथिक ने कोसल राज से क्या कहा था? उसके कथन को सुनकर कोसलराज ने क्या निर्णय लिया?

4) कोसलराज को सभा में कोई क्यों नहीं पहचान पाया था? सभा में सन्नाटा क्यों छा गया था?

5) प्रस्तुत गद्यांश से आपको क्या शिक्षा मिली?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए– (8)

1) "गृहस्थ" शब्द का उचित विलोम शब्द छाँटकर लिखिए।

अ) ब्रहमचर्य ब) संन्यासी स) वानप्रस्थ द) संतोषी

2) "दुष्ट" शब्द के पर्यायवाची शब्द–युग्म का चयन कीजिए।

अ) तुरंग–तुंग ब) गौ–निपुण

स) खल–शठ द) दीन–दर्प

3) "युवा" शब्द का उचित भाववाचक संज्ञा लिखिए।

अ) यौवन ब) युवावस्था

स) युवापन द) युवक

4) "ज्योत्सना" शब्द का शुद्ध रुप बताइए।

अ) जोतसना ब) ज्योतिस्ना

स) ज्योत्सना द) ज्योत्स्ना

5) "नाक रगड़ना" मुहावरे का सही अर्थ बताइए।

अ) नाक साफ करना ब) मिन्नतें करना

स) नाक छोटी करना द) नाक पतली करना

6) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए।

वाक्य–बालक गुड्डे से खेल रहा है। रेखांकित शब्दों के लिंग बदलकर सही वाक्य लिखिए।

अ) बालक गुड्डे से खेल रहा है। ब) बालिका गुडडे से खेलता है।

स) बालिका गुड़िया से खेल रही है। द) बालिकाए; गुड़ियाओं से खेलती हैं।

7) निम्नलिखित वाक्यांश के लिए एक शब्द छा; टकर लिखिए।

ईश्वर पर जिसका विश्वास न हो

अ) आस्तिक ब) नास्तिक स) स्वास्तिक द) पौराणिक

(P.T.O.)

Downloaded From www.icseboard.org

8) निम्नलिखित वाक्य को भविष्यकाल में बदलकर पुनः लिखिए।
वह चित्र बनाता है।

अ) वह चित्र बना रहा है। ब) वह चित्र बना चुका है।

स) वह चित्र बनाता था। द) वह चित्र बनाएगा।

खण्ड – ब

(गद्य खण्ड)

नोट– इस खण्ड से केवल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

साहित्य सागर

1. बालक फिर आँखों से बोलकर मूक खड़ा रहा। आँखें मानो बोलती थी– यह भी कैसा मूर्ख प्रश्न है।

(अपना–अपना भाग्य)

1) किस प्रश्न को सुनकर बालक मूक खड़ा रहा? उसकी आँखों ने क्या कह दिया? (2)

2) अपने परिवार के बारे में बालक ने क्या बताया? (2)

3) लेखक को बालक की किस बात को सुनकर अचरज हुआ? (3)

4) लेखक और उसका मित्र बालक को कहाँ व क्यों ले गये? वकील साहब का पहाड़ी बालकों के संबंध में क्या मत था? (3)

2. "श्रीकंठ सिंह की दशा बिल्कुल विपरित थी"।

(बड़े घर की बेटी)

1) श्रीकंठ सिंह की शारीरिक बनावट किसके विपरित थी और कैसे? (2)

2) सम्मिलित कुटुंब के संबंध में श्रीकंठ सिंह के क्या विचार थे? (2)

3) सम्मिलित कुटुंब के संबंध में श्रीकंठ सिंह और उनकी पत्नी के विचारों का अंतर स्पष्ट कीजिए? (3)

4) श्रीकंठ सिंह की पत्नी का संबंध किस कुल से था? स्पष्ट कीजिए। (3)

3. 'पर सच कहती हू¡ मुझे तो सारी कला इतनी निरर्थक लगती है, इतनी बेमतलब लगती है कि बता नहीं सकती"।

(दो कलाकार)

1) वक्ता को किसकी कला निरर्थक लगतीथी और क्यों? (2)

2) वक्ता ने उसकी कला पर व्यंग्य करते हुए क्या कहा और उसे क्या सलाह दी ? (2)

3) वक्ता की बात पर श्रोता ने क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की और क्यों? (3)

4) आपके अनुसार सच्ची कला की क्या पहचान है? (3)

Downloaded From www.icseboard.org

पद्य खण्ड

4. झरने अनेक झरते, जिसकी पहाड़ियों में,
चिड़ियाँ चहक रही है, हो मस्त झाड़ियों में।
अमराइयाँ घनी हैं, कोयल पुकारती है,
बहती मलय पवन है, तन–मन सवारती है।
वह धर्मभूमि मेरी, वह कर्मभूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।। (वह जन्मभूमि मेरी)

1) उपर्युक्त पंक्तियों के आधार पर भारत–भूमि के प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन कीजिए। (2)

2) भारत–भूमि की पहाड़ियों, अमराइयों और पवन की क्या–क्या विशेषताएँ हैं ? (2)

3) कवि ने भारत–भूमि को "धर्मभूमि और कर्मभूमि" कहकर क्यों संबोधित किया है ? (3)

4) उपर्युक्त पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट कीजिए। (3)

5. पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए,
आंधी चली, धूल भागी घाघरा उठाए,
बाँकी चितवन उठा नदी ठिठकी, घूँघट सरकाए।
मेघ आए बड़े बन–ठन के संवर के। (मेघ आए)

1) "पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए" पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।(2)

2) उपर्युक्त पक्तियों में "पेड़" "धूल" और नदी को किस–किस का प्रतीक बताया गया है और कैसे? (2)

3) "बाँकी चितवन उठा नदी ठिठकी, घ¡ूघट सरकाए" पंक्ति का भाव– सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए। (3)

4) उपर्युक्त पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट कीजिए। (3)

6. ऐसो को उदार जग माहीं।
बिनु सेवा जो द्रवे दीन पर राम सरिस कोऊ नाहिं।।
जो गति जोग विराग जतन, करि नहिं पावत मुनि ज्ञानी।।
सो गति देत गीध सबरी, कहु¡ प्रभु न बहुत जिय जानी।
जो संपत्ति दस सीस अरप, करि रावन सिव पह¡ लीन्हीं।
सो संपदा विभीषन कह¡, अति सकुच सहित प्रभु दीन्ही।।
तुलसीदास सब भा¡ति सकल, सुख जो चाहसि मन मेरो।
तौ भजु राम काम सब, पूरन करै कुपानिधि मेरो।।(विनय के पद)

(P.T.O.)

Downloaded From www.icseboard.org

1) "ऐसो को उदार जग माहीं" पंक्ति के आधार पर किसकी उदारता की बात की जा रही है? उनकी उदारता की क्या–क्या विशेषताएँ हैं? (2)

2) "गीध और सबरी" कौन थे? राम ने उन्हें कब, कौन सी गति प्रदान की थी? (2)

3) रावण ने कौन सी संपत्ति किससे तथा किस प्रकार प्राप्त की थी? (3)

4) तुलसीदास जी सब प्रकार के सुखों को प्राप्त करने के लिए किसका भजन करने को कह रहे हैं और क्यों ? (3)

****

Downloaded From www.icseboard.org